

नारी सशक्तीकरण

संकल्प से सिद्धि



5वां चरण



मिशन शक्ति केंद्र



एक पेड़ माँ के नाम

► वर्ष 2025: 37.21 करोड़+ वृक्षारोपण

सरकार द्वारा चलाए गए विशेष अभियान जैसे "एक पेड़ माँ के नाम", सार्वजनिक भागीदारी आधारित वृक्षारोपण अभियान, वन विभाग द्वारा सघन वन रोपण इत्यादि कार्यक्रमों ने मूल्यवर्धित परिणाम दिए।

ऑनलाइन फैमिली काउंसलिंग

घर बैठे समाधान : महिलाओं को थाने जाने की आवश्यकता नहीं।

विशेषज्ञ काउंसलिंग : घरेलू विवाद, हिंसा व आत्महत्या रोकथाम में मदद।

जनवरी 2024 से अगस्त 2025 तक कुल 10,102 शिकायतें दर्ज, 9,760 मामलों का समाधान।

महिला रात्रि एस्कॉर्ट सुरक्षा

रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक सहायता हेतु कॉल किए जाने पर यूपी-112 द्वारा महिला को एस्कॉर्ट कर सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था।

रानी लक्ष्मीबाई वाल एवं महिला सम्मान कोष

जघन्य अपराधों से पीड़ित महिलाओं/बालिकाओं को आर्थिक सहायता हेतु इस कोष की स्थापना की गयी है। इसके अन्तर्गत बालिकाओं को 15,000 रुपये की आर्थिक सहायता छह चरणों में प्रदान की जाती थी। अब प्रदेश सरकार ने यह सहायता राशि 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दी है।

एण्टी रोमियो स्क्वाड

सार्वजनिक स्थलों जैसे-चौराहों, बाजारों, माल्स, पार्क, स्कूल, कालेज कोचिंग संस्थान व अन्य स्थलों को असामाजिक तत्वों से मुक्त कराये जाने तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ राह चलते छेड़खानी, अभद्रता, अश्वील प्रदर्शन एवं टिप्पणियों की घटनाओं को रोकना एण्टी रोमियो स्क्वाड द्वारा किया जाता है।

बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट सखी

जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में ग्रामवासियों को प्रोत्साहित एवं लाभान्वित करने हेतु प्रदेश की सभी 57,000 ग्राम पंचायतों में विभिन्न बैंकों के माध्यम से बी.सी. सखी को पदस्थापित किया गया। बी.सी. सखी को प्रति माह 4,000 रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। अच्छा काम करने पर प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जा रही है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं।

हेल्पलाइन

1076

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

1090

वीमेन पॉवरलाइन

1930

साइबर हेल्पलाइन

101

अग्निशमन सेवा

181

वीमेन हेल्पलाइन

108

एंबुलेंस हेल्पलाइन

1098

चाइल्ड लाइन

112

पुलिस आपातकाल सेवा

102

गर्भवती महिलाओं एवं नवजात

शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन

ન્યૂજ બ્રીફ

સંદિગ્ધ પરિસ્થિતિયોં મેં
બુજુર્ગ કી મૌત

ખૂબાર, અમૃત વિચાર: સંદિગ્ધ

પરિસ્થિતિયોં મેં ગાવ નવાજાર નિવાસી

શ્રૂતિ મિરી (72) કી બુધવાર સુધી મૌત

હો ગઈ। પુલિસ કે મુખીલિક, શ્રૂત મિરી

કી શાદી નહીં હુદ્દી થી। વહ અપણ બેદ ભાઈ

કારી મિરી કે પુરુષ ભાગી રીં સાથ

રહે થી થાં। શ્રૂત મિરી કે નામ કારી દી

એકદ જરીની થી। જિસે અપણે મુત્તેજી ભાગ

ની કે નામ કર દી થી। ઇસસે શ્રૂત મિરી

કે ભાઈ નિરાસ મિરી નાજાર રહેતા થાં।

બુધવાર સુધી તંક શ્રૂત મિરી કી મૌત હો

ગઈ। જિસ પર મૂત્રક કે છેદે ભાઈ હરનામ

મિરી ને અપણે ભાઈં ભાનુ મિરી પર હત્યા

કી એપણે પુરુષાંત્રકીયોં પર પુલિસ મૌખી

પર પહુંચી અને પુષ્ટાંત્રકીયોં પર પુલિસ પો

સેસ્ટરટમ્પટ કે લિએ શાંત ભેજ દિયા હૈ।

અપહરણ કા આરોપી

ગિરપત્તાર, ભેજા જેલ

શાહજહાંપુર, અમૃત વિચાર: પુલિસ

ને કિશોરી અધ્યાત્મા કા આરોપી કો

ગિરપત્તાર કર્કર જાં ભેજ દિયા કા કલાન

થાં કે એપણી અમૃત જાલ જાલ દાયારી

કી એક કિશોરી કી અગવા કરકે લે

ગયા થા। ઉસે ક્ષેત્ર એપણી આરોપી કો ગિરપત્તાર કર

કર લિયા આં કાલાન કર દિયા।

શુભક કે ખિલાફ

છેદ્ધાંડ કી રિપોર્ટ

શિલોલી, અમૃત વિચાર: ક્ષેત્ર કી એક

મહિલા ને થાના એ દી ગઈ તરીકી મેં બતાય

વહ દી દિન પહેલે શામ કો ખેત પર શાંત

કરને કે લિએ ગઈ થી। ગાવ કા સુધીએ

નામક યુવક ને ઉસે ગતાન નીચત સે પદ્ધત

લિયા અને ઉસે ક્ષેત્ર એપણી ને ઉસે મારા

પાંઠા અને જાન સે મારાની કી ઘંઠી દી।

પુલિસ ને આરોપી કો ખિલાફ રિપોર્ટ દર્જ

કર લીધી હૈ। પુલિસ વિવેચના કર રહી હૈ।

અમૃત વિચાર: ક્ષેત્ર એપણી ને જાં

અસુધીએ ને જાં

न्यूज ब्रीफ

गन्ना मूल्य में बढ़ि पर
जताया आभार

पुराय, अमृत विचार: सरकार के द्वारा गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति विंटल की बढ़ातीरी किए जाने पर भाजा किसान मोर्चा ने आभार व्यवहार किया। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिनेश अवसरी ने मुख्यमंत्री को पत्र जारी कर बताया कि प्रदेश में गन्ना किसानों के द्वारा बेचने का जो कठिन मुश्किल कोलेजे, रोजा में 'शक्ति संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बैठकर मूल्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अधिकारी डॉ. बबीता सिंह चौहान रहीं, जिहोने बड़ी संख्या में उपस्थित छात्राओं और महिलाओं को महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता का संदेश दिया।

कॉलोनी में बंदरों का आतंक

शाहजहांपुर, अमृत विचार: रुफ़ेस रवन लेने कालीनों के निवासी इन दिनों बंदरों द्वारा अत्यधिक रेपेन हो रहे हैं। कालीनों में बंदरों के बुंद दिनभर घरों की छोड़ीं और गलियों में घूमते रहते हैं। लोग घर से बाहर निकलने में भी डर महसूस कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि बदर अवसर महिलाओं और आपने कई लोग परहमार कर दी हैं। बंदर घरों में घूमते रहने-पीछे का सामान और कपड़े तक नुकसान पहुंचा रहे हैं। कॉलोनीवासियों ने प्रश्नान से तकाल सज्जान लेने और बदरों के इस आतंक से क्षत्र को भयमुक्त करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जट्टा बारी नहीं हुई तो किसी बड़े हादसे की आशंका नहीं दिक्कार नहीं किया जा सकता।

नारी अब आंसू नहीं, शक्ति की पहचान है: डॉ. बबीता सिंह

आईटीआई कॉलेज में हुआ आयोजन, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का दिया संदेश

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर



शक्ति संवाद कार्यक्रम में छात्राओं को संवादित करती डॉ. बबीता सिंह चौहान।

उन्होंने छात्राओं को तकनीकी कहा कि आज महिलाएं अंगन शिक्षा अपनाने और साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने अपरेशन सिंदूर दी। डॉ. चौहान ने बैठकों की में शामिल सौम्या कुरैशी और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए भूमिका सिंह जैसी महिलाओं की सराहना की।

उपलब्धियों की सराहना की।

इस अवसर पर जिला प्रोवेशन अधिकारी ने कहा कि महिलाएं समाज की नीव हैं और जब वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होंगी तभी सशक्त समाज की स्थापना संभव होगी। उन्होंने कन्या सुमंगला योजना, घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, और महिला हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की अधिकारी डॉ. बबीता सिंह चौहान रहीं, जिहोने बड़ी संख्या में उपस्थित छात्राओं और महिलाओं को महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता का संदेश दिया।

अपने संबोधन में डॉ. चौहान ने कहा, "अब हजार जमाना गया। जब नारी की पहचान आंसूओं और आंचल से होती है, तब नारी सशक्त, शिक्षित और आत्मविश्वासी है जो हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही है।"

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

अमृत विचार
Lifelines OF BAREILLY

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली ८ 731-098-7005

● 40,000 से अधिक सफल संजीवी सम्पन्न

● विज्ञापन हेतु एनेस्टेसियो (कैपेन आई ड्राय ड्राय)

● आयुष्मान/सीधीएप्ली/सीधीएप्ली/सीधीएप्ली

सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य

● कैशलेस इलाज

बरेली का सबसे बड़ा केपल ऑफिस के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...

नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

वरेली एनोरक्टल क्लीनिक प्रोटोकॉल

डॉ. वी.के. सिसोदिया

वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ

B.Sc., B.A.M.S. (MUMBAI)

गिरिः प्रत्येक रीवाइर 12 परवर रोड, जलालाबाद (शाहजहांपुर) में

बरेली एनोरक्टल क्लीनिक प्रोटोकॉल

ए-3, एका नगर, कैपेन आयुष्मान के सामने, बरेली सम्पर्क करें: 9458888448

डॉ. नितिन अग्रवाल

एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)

हृदय रोग विशेषज्ञ प्रो. 9457833777

2D ECHO + TMT

हृदय रोग के लक्षण: ■ घ्रावाहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना

■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेसर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर)

■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हाई अटेक ■ हाई फेल

डॉ. प्रेम गंगवार

B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)

वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक

मो. 8859517808

सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामदर्द, त्वचा, गुरुं, कैंसर, जोड़, नस, आयराइड व महिलाओं का बांधापन

होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयां अयामुक जमीन दवायी द्वारा कुशल के लिये नियुक्त सम्पर्क करें।

डॉ. एम. विजय जर्मन होम्योपैथिक

रुहलपुण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. दावर, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा

एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)

कार्डिप्लुमोनोलॉजी, डायबिउलोजी

आयुष्मान एवं TPA के लिए सुविधा

डॉ. दर्शन मेहरा

न्यूज ब्रीफ
उत्तराखण्ड के किसान
प्रशिक्षण के लिए पहुंचे

शाहजहांपुर, अमृत विचार: उत्तराखण्ड के कुछ संसदीय विदेशी और देहरादून जिलों से आप 22 सदस्यीय गन्ना किसानों का दूर बुधवार को उग गन्ना शेष पारेश, शाहजहांपुर पहुंचे। यहां गन्ना उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीकी किंविति विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ निश्चिक वीचे शुरू ने वर्तुअंगी किया। उन्होंने कहा यह परिक्षण कार्यक्रम का उत्कृष्ट अवसर है। उन्होंने बताया कि किसानों की शोध प्रक्षेत्र और प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया जाएगा, जहां उन्हें नवीनतम गन्ना किसानों द्वारा बुवाई की विधियों और कृषि यंत्रों की जानकारी दी जाएगी।

चीनी मिल में हुआ बॉयलर पूजन

तिलहर, अमृत विचार: किसान सहकारी वीची मिल में बुधवार को बॉयलर पूजन किया गया। पूजन कार्यक्रम का शुभारंभ पहिले राजनी शास्त्री ने वैदेशिक मत्रोंवाचारण के लिए कराया। इस दैरेन में धर्मिक वातावरण में गूंज उठा। मुख्य गन्नमान के रूप में महाप्रधान श्री देवर अस्थाना उपस्थित रहे। गन्ना पर्यवेक्षक दमनेश राय ने पूजन में आहुति देकर मिल के सुधारू संचालन और आगामी पैराइ बस की सफलता की कामना की। कार्यशाला में सहायक अधिकारीयों द्वारा यद्यपि एक श्रीवास्तव, अनुज यादव, मिलिन श्रीवास्तव और आशीष रसोनी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी भौजूद रहे।

खादन मिलने से परेशान किसान ने लगाया फंदा, किसानों ने बचाया

एस्टी से गले में फंदा डालने का वीडियो वायरल, सहायक आयुक्त ने दिए जांच के आदेश

कार्यालय संचालनाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: खादन मिलने में देरी से परेशान एक किसान ने कांट क्षेत्र की साधन सहकारी समिति में फंदा लगाकर आत्महत्या की कोशिश की। यह घटना मंगलवार दोपहर की है, जबकि इसका वीडियो बुधवार को सामने आया। सेशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में किसान छत पर लगे पंखे में रस्सी डालकर फंदा बनाते और गले में डालकर कई बार झटके मारते हुए दिखाई दे रहा है।



पंखे से रस्सी बांधता किसान।

गन्नीमत रही कि रस्सी का फंदा कस नहीं पाया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने किसी तरह उसके गले से फंदा निकालकर उसकी जान बचाई। इस घटना का 43 सेकंड का वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें किसान फंदा बनाते, गले में डालते और झटके देते नजर आ रहे हैं। पास खड़े लोग उसे रोकने की कोशिश करते हैं, पर किसान उन्हें दूर करता दिख रहा है।

• लाइन में घंटों इंटजार के बाद किसान ने गुस्से में उडाया कदम

• सहायक आयुक्त शोले-कुछ लोगों ने किसान को भड़काया ग्रामीणों ने निकाला फंदा

हर साल दोहराई होती है खाद की किलत

जित में हर वर्ष रवीं सीजन की शुरूआत के साथ ही खाद की कमी किसानों के लिए बड़ी समस्या बन जाती है। किसान ने जो किया उसे सही तरीके जास लिया, लेकिन यह बात सही है कि हर साल खाद की किलत देखने को मिलती है। जबकि हर साल रिकार्ड तैयार किया जाता है ताकि अगले साल मांग के अनुरूप खाद उपलब्ध कराई जा सके, लेकिन ऐसा होता नहीं है। तेवर डाटा बस डाटा बैक में ही पड़ा रहता है और किसान खाद के लिए उपरेशन होते रहते हैं। साधन सहकारी समितियों पर लंबी कारों लगती हैं, परंतु परिणाम अपूर्ति न होने से किसान निराश लोटते हैं। कई बार समिति त्तर पर खाद वितरण में अव्यवस्था और मनमानी की शिकायत भी सामने आती है। प्रशासनिक दावों के बावजूद हर साल यही रिक्ति दोहराई जाती है। खाद की कमी का सीधा असर रवीं फसल की तैयारी पर पड़ रहा है। कई किसानों का कहना है कि समय पर खाद न मिलने से अग्री में ग्रामीणों ने खाद की तैयारी पर खाद वितरण में अव्यवस्था और अनुप्रयोगी सह की सफलता की कामना की। कार्यशाला में सहायक अधिकारीयों द्वारा यद्यपि एक श्रीवास्तव, अनुज यादव, मिलिन श्रीवास्तव और अशीष रसोनी सहित अन्य अधिकारी और आशीष रसोनी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी भौजूद रहे।

सहायक आयुक्त सहकारिता अधिकारीयों को प्रताप सिंह ने बताया कि किसानों को खाद वितरित की गई उन्हें घटना की जानकारी मिली है। किसानों को खाद वितरित की गई उन्हें घटना की जानकारी मिली है। अधिकारी आपूर्त जल्द समाचर होने की बात तो कर रहे हैं, पर किसानों की परेशानी कम होती नहीं दिख रही।

प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि कुछ लोगों ने किसान को

भड़काया था। उन्होंने कहा कि सभी

किसानों को खाद वितरित की गई

थी और फिलहाल मामले की जांच

की जा रही है। जांच के आधार पर

आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तुर्गा जागरण में भजनों पर झूमे भक्त

कार्यालय संचालनाता, शाहजहांपुर

खुटार, अमृत विचार: गांव खरियां गदियाना में मंगलवार रात को आरएस म्यूजिकल ग्रुप के बैनर तले जय मां वैष्णो का सत्रहवां महाविशाल दुर्गा जागरण का महत्वपूर्ण होगा। रचित कुमार ने बताया कि वर्ष 2030 तक हर तीन में से एक रोजगार किसी न किसी ग्रामीणों के सुजन में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। रचित कुमार ने बताया कि वर्ष 2030 तक हर तीन में से एक रोजगार किसी न किसी ग्रामीणों के सुजन में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को डाया, एलारिश्टम और गणना जैसे एआई के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को कृतिव्य की विद्यार्थियों के लिए एआई के बारे में बुद्धिमत्ता का सदृप्योग करना चाहिए, क्योंकि इसका अंधाधूंध प्रयोग हमें अत्यधिक निर्भर बना सकता है, जिससे मानव कौशल

में गिरावट आ सकती है। उन्होंने कहा कि भूते ही एआई भविष्य में कई रोजगारों को प्रतिस्थापित कर दे, किन्तु नए रोजगारों और कौशलों के सुजन में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

रचित कुमार ने बताया कि वर्ष 2030 तक हर तीन में से एक रोजगार किसी न किसी ग्रामीणों के सुजन में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को डाया, एलारिश्टम और गणना जैसे एआई के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को कृतिव्य की विद्यार्थियों के लिए एआई के बारे में बुद्धिमत्ता का सदृप्योग करना चाहिए, क्योंकि इसका अंधाधूंध प्रयोग हमें अत्यधिक निर्भर बना सकता है, जिससे मानव कौशल

में गिरावट आ सकती है। उन्होंने कहा कि भूते ही एआई भविष्य में कई रोजगारों को प्रतिस्थापित कर दे, किन्तु नए रोजगारों और कौशलों के सुजन में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

रचित कुमार ने बताया कि वर्ष 2030 तक हर तीन में से एक रोजगार किसी न किसी ग्रामीणों के सुजन में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को डाया, एलारिश्टम और गणना जैसे एआई के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को कृतिव्य की विद्यार्थियों के लिए एआई के बारे में बुद्धिमत्ता का सदृप्योग करना चाहिए, क्योंकि इसका अंधाधूंध प्रयोग हमें अत्यधिक निर्भर बना सकता है, जिससे मानव कौशल

में गिरावट आ सकती है। उन्होंने कहा कि भूते ही एआई भविष्य में कई रोजगारों को प्रतिस्थापित कर दे, किन्तु नए रोजगारों और कौशलों के सुजन में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

रचित कुमार ने बताया कि वर्ष 2030 तक हर तीन में से एक रोजगार किसी न किसी ग्रामीणों के सुजन में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को डाया, एलारिश्टम और गणना जैसे एआई के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को कृतिव्य की विद्यार्थियों के लिए एआई के बारे में बुद्धिमत्ता का सदृप्योग करना चाहिए, क्योंकि इसका अंधाधूंध प्रयोग हमें अत्यधिक निर्भर बना सकता है, जिससे मानव कौशल

में गिरावट आ सकती है। उन्होंने कहा कि भूते ही एआई भविष्य में कई रोजगारों को प्रतिस्थापित कर दे, किन्तु नए रोजगारों और कौशलों के सुजन में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

रचित कुमार ने बताया कि वर्ष 2030 तक हर तीन में से एक रोजगार किसी न किसी ग्रामीणों के सुजन में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को डाया, एलारिश्टम और गणना जैसे एआई के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को कृतिव्य की विद्यार्थियों के लिए एआई के बारे में बुद्धिमत्ता का सदृप्योग करना चाहिए, क्योंकि इसका अंधाधूंध प्रयोग हमें अत्यधिक निर्भर बना सकता है, जिससे मानव कौशल

में गिरावट आ सकती है। उन्होंने कहा कि भूते ही एआई भविष्य में कई रोजगारों को प्रतिस्थापित कर दे, किन्तु नए रोजगारों और कौशलों के सुजन में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

समय पर डॉक्टर



प्रयुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जनकारी देते डॉ. प्रारब्ध सिंह और अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार।

बरेली, अमृत विचार : प्रारब्ध

विश्वविद्यालय में रसन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में रसन कैंसर जागरूकता के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रारब्ध सिंह ने छात्राओं को बताया कि कैंसर अब लालाज नहीं है। इसको समय पर पहाड़ा और लालाज से मात दी जा सकती है, लेकिन महिलाएं अपने खास रूप से ग्राहकों नहीं होती हैं जिसके बाद जानलेवा बीमारी की घटें मात्र हैं। डॉ. प्रारब्ध ने छात्राओं को बताया कि कैंसर का नाम सुनने ही लोगों की आंखों के सामने मीठ नावने लगती है, लेकिन अब ऐसा नहीं है। बताया कि फली स्टेज में अगर मरीज कैंसर ग्रसित होने का पता चलता है तो कैंसर के स्टेज होने की संभावना 90 से 95 पीसीटी काल होती है, इसलाएं समय पर डॉक्टर की सलाह बहुत जरूरी है। इससे पहले डॉ. प्रारब्ध सिंह और अमृत विचार

इनका रखें ध्यान

- शराब और धूमपान का सेवन न करें।
- पौष्टिक आहार का सेवन करें।
- सुबह टलने के साथ ही व्यायाम अवश्य करें।

कैंसीओओ पार्थो कुनार ने मां सरसवाती के वित्र के सम्पर्क दोप प्रज्ञवित्त कर कार्यक्रम की शुरूआत की। विश्वविद्यालय के प्रो-वाइस वास्तव प्रोफेसर कॉर्जु मिश्ना ने अधिकारी को सरहना करते हुए बताया कि उन्होंने बीते सालों में कई परिवर्तियों को कैंसर की जागरूकता बहुत जलूरी है। कार्यक्रम में डॉ. निशि यादव, डॉ. शिवांगी विल्डियल और सोम्या सरकरेना का विशेष सहयोग रहा।



प्रयुक्त विश्वविद्यालय में रसन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं।



ROHILKHAND
CANCER
INSTITUTE

सर्जरी, थेरेपी और इलाज से कैंसर को हरा सकते हैं : डॉ. प्रारब्ध

डॉ. प्रारब्ध ने बताया कि दस साल पहले तक अगर कोई मरीज कैंसर ग्रसित होता था तब केवल सर्जरी से इलाज संभव था, लेकिन अब तमाम ऐसी आयुर्विज्ञक जांचे हैं जिससे कैंसर को पता दी जा रही है। कैंसर विशेषज्ञ अच्छी दवाएं, स्टेप सेल, कीमो, रेडिएशन समेत अन्य आयुर्विज्ञक तकनीकों से मरीज को इलाज देकर कैंसर को मात दें सकते हैं। कई मरीजों ने कैंसर को मात दी है और अब सामान्य जीवन जी रहे हैं।

ब्रेस्ट की गांठ में दर्द नहीं तो कैंसर संभव

रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट व अमृत विचार के नारी कैंसर सुरक्षा अभियान के तहत कार्यक्रम

बरेली, अमृत विचार : महिला के स्तन में गांठ है लेकिन दर्द नहीं है और आकार बदल रहा है तो फौरन कैंसर विशेषज्ञ की सलाह हव अवश्य करें। समय पर लें। ये कैंसर हो सकता है। समय पर हसकी जांच और लालाज से मरीज



कैंसर को मात दे सकते हैं। कैंसर ही नहीं कोई भी बीमारी जब शरीर में पनपना आरंभ होती है तो शरीर में लक्षण आने लगते हैं, बस जरूरत है इन लक्षणों को समझकर डॉक्टर से फौरन सलाह लेने की। ऐसा करने से बीमारी को मात दी जा सकती है। ये सुझाव रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रारब्ध सिंह ने दिए। बताया कि स्तन कैंसर विकसित होने की पीछे कई वजहें होती हैं।

बीमारी को मात दी जा सकती है। ये सुझाव रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रारब्ध सिंह ने दिए। बताया कि स्तन कैंसर विकसित होने की पीछे कई वजहें होती हैं।

हर महिला सुपर वुमन, करें जागरूक

डॉ. प्रारब्ध में कार्यक्रम का समापन करते हुए एक अनुभव साझा करते हुए बताया कि हर महिला सुपर वुमन है। जब कोई महिला कैंसर की घटें मात्र होती है तो पूरा परिवार बिहर जाता है, इसलिए हर महिला को अपने खास रूप से खासियत होने की आवश्यकता है। इससे खास रूप समाज का निर्माण होता है।

पदावती सीनियर सेकेंड्री स्कूल में कार्यक्रम में डॉ. प्रारब्ध सिंह, चैयरमैन प्रारब्ध अरोगा वैश्वाली गुप्ता।

- पदावती सीनियर सेकेंड्री स्कूल व इंस्टीट्यूट में कार्यक्रम में डॉ. प्रारब्ध
- ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के तहत चलाया जा रहा तीन दिवसीय अभियान

सकती है। यह बुद्धि एक अंग से होती है शरीर के दूसरे भाग को भी प्रभावित कर सकती है। शरीर का न भरने वाला धाव, किसी अंग से लिपेश में लागतर दर्द, तेजी

से बढ़ रही गांठ कैंसर की वजह हो सकती है। हां हर गांठ कैंसर नहीं होती है। असंतुलित खानापान, जीवनशैली और प्रदूषण कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं। इससे बचाव और जागरूकता कैंसर रोकने में कारगर है। इसके साथ ही आरंभ मासिक धर्म में कूछ परिवर्तन नजर आए तो फौरन डॉक्टर से संपर्क करें। जैसे कि अगर 12 साल की उम्र से पहले अधिक छात्राएं मौजूद रहीं।

ही मासिक धर्म शुरू हो जाए या 30 साल की आयु के बाद गर्भवती हो या 55 की उम्र के बाद मीनोपाय हो या फिर पीरियड्स का समय 26 दिनों से कम या 29 दिनों से ज्यादा का हो जाए तो सतर्क हो जाए। इससे पहले स्कूल के चेयरमैन पारूप अरोगा ने डॉ. प्रारब्ध का स्वागत किया। इस दौरान स्कूल की समन्वयक वैश्वाली गौरी गुप्ता समेत 50 से एक में स्तन कैंसर के लक्षण मिल रहे हैं।

बीएल इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रारब्ध सिंह ने छात्राओं को बताया कि अधिकांश मरीज डॉक्टर से तब संपर्क करते हैं जब उनका कैंसर नीसीरी या चौथी स्टेज पर आ जाता है। ऐसा होता है जागरूकता का अभाव होने से, इसलिए स्तन कैंसर की पहचान खुद की जा सकती है। इसको बेसर्स इन्वेस्टिगेशन ब्रेस्ट सेल्फ एम्जिनेशन कहा जाता है। ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता सिर्फ जानकारी रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि



पदावती सीनियर सेकेंड्री स्कूल में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम के दौरान हाथों में अमृत विचार समाचार पत्र के साथ छात्राएं।

• अमृत विचार



बीएल इंटरनेशनल स्कूल में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं।

• अमृत विचार

चिकित्सक मानवता की सेवा करने वाला श्रेष्ठ कर्मयोगी : पुरुषार्थी



सहेलखंड मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम विकासी में बोलते आवार्य अनंद पुरुषार्थी।

कार्यालय संचादाता, बरेली

- रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज में व्याख्यान में बोले आवार्य अनंद पुरुषार्थी

रोगों का उपचार करने वाला नहीं, बल्कि मानवता की सेवा करने वाला श्रेष्ठ कर्मयोगी होता है।

चिकित्सा के क्षेत्र में स्वतन्त्रता, और सेवा भाव को अपनाना ही एक सच्चे डॉक्टर की पहचान है। प्राच्य वार्षा डॉ. दिविज विजय सिंह ने कहा कि ऐसे व्याख्यान के प्रति विकित्सा के क्षेत्र में नैतिकता के विषय पर मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम से आए प्रख्यात आचार्य अनंद पुरुषार्थी ने व्याख्यान दिया।

उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में नैतिक

मूल्यों को सुदूर करने में सहायता प्रदान करते हैं। इससे पहले प्राच्य वार्षा डॉ. दिविज विजय सिंह और चिकित्सा अधीक्षी डॉ. रजनीश पठानिया ने आचार्य को संस्थान की ओर से प्रतीक चिह्न भेंट कर आंशका विभाग के संचालन डॉ. वेद प्रकाश, डॉ. शालिनी चन्द्र, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तसलीम खान सहित संक्षय सदस्य और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अनुवांशिक प्रवृत्ति बढ़ा सकती कैंसर का जोखिम, कराएं जांच



आईएम सभागार में आयोजित सीएमई में मौजूद बीआईयू की कुलपति डॉ. लता अग्रवाल, वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्जुन अग्रवाल व सोसायटी की पदाधिकारी।

• अमृत विचार

कार्यालय संचादाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली ऑप्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलोजिकल सोसायटी व रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार का स्तन कैंसर जागरूकता माह को लेकर आईएमई सभागार में सीएमई

आईएमई सभागार में आयोजित कार्यक्रम में बोलते आवार्य अनंद पुरुषार्थी ने कहा कि अपने बैठियों के बीच बोलते हैं कि अपने बैठियों के बीच बोलते हैं कि अपने ब

वेतनवृद्धि और प्रैन

आठवें वेतनमान की शर्तों को सरकार द्वारा स्वीकृति मिलना सरकारी कर्मचारियों या पेंशनधारियों के लिए खुशखबरी है, तो देश की अर्थव्यवस्था, समाज, बाजार और निर्माण क्षेत्र के लिए भी व्यापक प्रभाव वाला कदम है। भारत में सरकारी क्षेत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग पांच करोड़ लोगों की आय और जीवन स्तर को प्रभावित करता है। 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और लगभग 70 लाख पेंशनधारियों को इससे आर्थिक लाभ तो होगा ही, भविष्य में राज्य सरकारें भी इसके आधार पर कर्मचारी करेंगी, तो ऐसे में प्रभावितों की संख्या बीसियों कोड तक बढ़ जाएगी। वेतनमान को नई व्यवस्था से आने वाला आर्थिक प्रवाह देश के आर्थिक ढांचे को नई गति देने वाला साबित हो सकता है।

पूरी प्रक्रिया के लागू होने पर कर्मचारियों और पेंशनधारियों को औसतन 30 प्रतिशत तक का आर्थिक लाभ मिलेगा, तो इसका सीधा असर उनकी क्रयशक्ति पर पड़ेगा। स्वाभाविक तौर पर उपभोग में वृद्धि होगी, जिससे खुदरा व्यापार, बचत, निवेश, उपभोक्ता वस्तु उद्योग, वाहन, आवास और निर्माण जैसे क्षेत्रों में नई जन आएंगी। बाजार और निर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलेगा। सातवें वेतन आयोग के बाद बाजारी मांग में तकरीबन 10 प्रतिशत की वृद्धि अंकी गई थी। ऐसा ही रुझान पिर संभावित है। रियल एस्टेट, अंटोमोबाल सेक्टर, रामीण अर्थव्यवस्था पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव होगा, क्योंकि बड़ी संख्या में जनरीय छोटे शहरों और ग्रामों में रहते हैं। इस वृद्धि से बोझ भी बढ़ेगा। केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन वृद्धि के अनुरूप राज्य सरकारें भी वेतन बढ़ाती हैं, तो पहले से ही भारी कड़े में दबे राज्यों की वित्तीय स्थिति इस बोझ से चरमरा बढ़ा रही है। केंद्र पर इसका यदि सालाना 1.5 लाख करोड़ रुपये तक का बोझ बढ़ेगा, तो राज्यों को मिलाकर कुल तीन लाख करोड़ रुपये तक। बेशक यह बोझ वित्तीय अनुशासन के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। संभव है कि सरकारें अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बजेट में कटौती करें या नए कर लगाएं।

नैतिक और प्रशासनिक प्रश्न है कि क्या वेतन वृद्धि से कर्मचारियों का कार्य निष्पादन भी बेहतर होगा? काम काज का स्तर सुधारेगा? जिम्मेदारी का बोझ बढ़ेगा? अभी तक का अनुभव बताता है कि वेतन वृद्धि से इसका कोई रिश्ता नहीं है। सरकार को चाहिए कि वह जबाबदेही और पारदर्शिता के साथ प्रदर्शन आधारित मूल्यांकन प्रणाली बनाए, तभी उच्च वेतन का लाभ उत्पादकता में परिवर्तित होगी। कर्मचारी के वेतन में उसकी दक्षता और कार्यान्वया का प्रत्यक्ष संबंध हो, इसके लिए वेतन वृद्धि के साथ-साथ 'रफार्मेंस लिंक्ड इंस्ट्रिट' प्रणाली मजबूत करनी होगी। अधिक वेतन से रिश्वतखोरी की प्रवृत्ति घट सकती है, यह उम्मीद बेमानी है। इसके लिए वेतन वृद्धि के समानांतर ई-गवर्नेंस, ऑडिटिंग और सार्वजनिक निगरानी की नियंत्रण एवं पारदर्शिता प्रणाली को सशक्त बनाना होगा। आठवें वेतनमान के बल वेतन का सवाल नहीं है, यह जबाबदेही, उत्पादकता और सुशासन को नई दिशा देने का अवसर है।

प्रसंगवाच

नारी इच्छा और सम्मान के विरुद्ध है 'आटा-साटा'

राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में प्रचलित आटा-साटा प्रथा के कारण कई परिवारों में तनाव, रंगेश और हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में किशनगढ़ में दो महिलाओं की हत्या की घटना ने इस कुप्रथा की भयावहता को फिर उजागर कर दिया। दो परिवारों के बीच बेटियों के आटा-साटा के तहत हुई सार्गाई के बाद किसी बात को लेकर विवाद इसके बाद, दूसरे परिवार को दो महिलाओं की मौत के घट उत्तर दिया। नागर जिले में 21 वर्षीय युवती ने आत्महत्या की अपने सुरुआती दो बेटियों की इच्छा और अधिकारों की अपनी जान लेने के पीछे आटा-साटा की मजबूती जिम्मेदारी थी। जातीर जिले में एक देसी कांस्टेबल को इस प्रथा को न मानने पर सामाजिक बहिष्कार का समान करना पड़ा। ऐसे मामले राजस्थान में हर साल सामने आ रहे हैं।

आटा-साटा यानी लड़की के बल लड़की की परंपरा राजस्थान, हरियाणा और गुजरात के कुछ ग्रामीण इलाकों में आज भी प्रचलित है। इस कुप्रथा की भयावहता को फिर उजागर कर दिया। दो परिवारों के बीच बेटियों के आटा-साटा के तहत हुई सार्गाई के बाद किसी बात को लेकर विवाद इसके बाद, दूसरे परिवार को दो महिलाओं की मौत के घट उत्तर दिया। नागर जिले में 21 वर्षीय युवती ने आत्महत्या की अपने सुरुआती दो बेटियों की इच्छा और अधिकारों की अपनी जान लेने के पीछे आटा-साटा की मजबूती जिम्मेदारी थी। जातीर जिले में एक देसी कांस्टेबल को इस प्रथा को न मानने पर सामाजिक बहिष्कार का समान करना पड़ा। ऐसे मामले राजस्थान में हर साल सामने आ रहे हैं।

आटा-साटा यानी लड़की के बल लड़की की परंपरा राजस्थान, हरियाणा और गुजरात के कुछ ग्रामीण इलाकों में आज भी प्रचलित है। इस कुप्रथा की भयावहता को फिर उजागर कर दिया। दो परिवारों के बीच बेटियों के आटा-साटा के तहत हुई सार्गाई के बाद किसी बात को लेकर विवाद इसके बाद, दूसरे परिवार में भी परिवर्तित हुई और वह बेटी ही दर्दी चलती रही है। इसके बाद उसके कई बार और अपने सुरुआती दो बेटियों के बीच बेटी ही दर्दी चलती रही है। इसके बाद उसके कई बार और अपने सुरुआती दो बेटियों के बीच बेटी ही दर्दी चलती रही है।

पश्चिमी लड़कियों को ऐसे परिवारों में भेज दिया जाता है, जहां वे मानसिक और शारीरिक यातना झेलती हैं। कई महिलाएं अपनी इच्छा के विरुद्ध विवाह करने को मजबूर होती हैं और विवाह करने पर हिस्सा का शिकायत बनती है। अगर एक घर में बेटी किसी कारण से दुखी होती है तो दूसरी बेटी को भी बेवजह दुखी किया जाता है। उसे तरह-तरह के काप्ट दिए जाते हैं। इसके प्रकार यह प्रथा सीधे-सीधे महिलाओं की इच्छाओं और अधिकारों की अपनी जान के बाहर निकलती है।

हालांकि सरकार और समाज इस कुप्रथा को खम्ब करने के प्रयास कर रहे हैं। 2023 में तकातीन गलाता सरकार ने इस मुद्दे को गंभीर मानते हुए आटा-साटा प्रथा को समाप्त करने के लिए कानून लाने की घोषणा की थी। सामाजिक संगठन भी गांव-गांव जाकर जागरूकता अधियान चला रहा है। इसके बाद उसके कई बार और अपने सुरुआती दो बेटियों के बीच बेटी ही दर्दी चलती रही है।

हालांकि सरकार और समाज का हिस्सा वेतनवृद्धि और समाजीकरण के अंतर्नालकरण को आवश्यक मानता है। इसके बाद उसके कई बार और अपने सुरुआती दो बेटियों के बीच बेटी ही दर्दी चलती रही है।



ज्ञान और आदत दोनों को ही सुधारने से मनुष्य सुधारता है। -डॉ. राम मनोहर लोहिया, समाजवादी वित्क

सरहद पर खतरा बन रहे हैं अवैध धर्म स्थल



विवेक चतुर्वेदी

पूर्व सूचना अधिकारी

शूरूई पर्सी



भारत की सरहदों के आसपास पिछले कुछ दशकों के दौरान अवैध रूप से बनाए गए धार्मिक स्थलों ने देश की सुरक्षा के सामने गंभीर समस्या का रूप घटाया है। इन पर अवैध धर्मसंपैठ को बढ़ावा देने और देश-विरोधी तत्वों को शरण देने के लिए कारण की खुशी नहीं है। केंद्र सरकार का मानना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों को अवैध धर्मसंपैठ को बढ़ावा देना और उनके जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। साथ में यह निर्माणों से बचाना होगा।

वेशक, धूसपैठ के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकी संतुलन तेजी से बदल रहा है और इससे देश की सीमा पर बहारी लोगों को अवैध तरीके से बसाना एक अवैध साधन है। भारत-बांगलादेश, भारत-नेपाल और भारत-पाकिस्तान सीमाओं पर ऐसे अवैध धर्मसंपैठों को बढ़ावा देने के लिए एक अवैध धर्मसंपैठ का लिए बहुत ज़रूरी है। इनकी विरोधी तत्वों को बढ़ावा देने के लिए एक अवैध धर्मसंपैठ का लिए बहुत ज़रूरी है।

वेशक, धूसपैठ के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकी संतुलन तेजी से बदल रहा है और इसकी विरोधी तत्वों को बढ़ावा देने के लिए एक अवैध धर्मसंपैठ का लिए बहुत ज़रूरी है। इनकी विरोधी तत्वों को बढ़ावा देने के लिए एक अवैध धर्मसंपैठ का लिए बहुत ज़रूरी है।

वेशक, धूसपैठ के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकी संतुलन तेजी से बदल रहा है और इसकी विरोधी तत्वों को बढ़ावा देने के लिए एक अवैध धर्मसंपैठ का लिए बहुत ज़रूरी है।

वेशक, धूसपैठ के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकी संतुलन तेजी से बदल रहा है और इसकी विरोधी तत्वों को बढ़ावा देने के लिए एक अवैध धर्मसंपैठ का लिए बहुत ज़रूरी है।

वेशक, धूसपैठ के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकी संतुलन तेजी से बदल रहा है और इसकी विरोधी तत्वों को बढ़ावा देने के लिए एक अवैध धर्मसंपैठ का लिए बहुत ज़रूरी है।

वेशक, धूसपैठ के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकी संतुलन तेजी से बदल रहा है और इसकी विरोधी तत्वों को बढ़ावा देने के लिए एक अवैध धर्मसंपैठ का लिए बहुत ज़रूरी है।

वेशक, धूसपैठ के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्य

